

Registry No. Dö Lö-33004/99	REGD. NO. D. L.-33004/99
-----------------------------	--------------------------

Extraordinary

EXTRAORDINARY

PartII—Section 3—sub-section(i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

published with authority

PUBLISHED BY AUTHORITY

la-340]	ubZ fnYyh] eaxyokj] ebZ 26] 2015@T;s"B 5]1937
No. 340]	NEW DELHI, TUESDAY, MAY 26, 2015/JYAISTHA 5, 1937

Clause (d), clause (e) and clause (f)Use the powers given by us!Makes written rules,i.e%:-

2342 GI/2015

(2) This is in their Rajput.Will be circled on the date of publication.1. short name and०रंभ.– (1) these rulesAbbreviation of Name: Himachal Pradesh Administrative Tribunal(/come) Rules, 2015.2. P6Definition.– these rules म, -

A= यद> document> Easy to presentKat:िधकृतAny ? thist is intended;

And anyone under that? thisT or one more? The person who has pension, Presidency, Marginal and other benefits of this familyShan a) tvested with power to do so; (K)"Act"FromAdministrative Tribunal Act, 1985 (13 of 1985)nowis white; (b) "agent%" FromAny application by any party before the Tribunal on its behalf, िलिखतYou areand,उ तर or koi(c)(d)(e) 428(a).).).—कcentral government, Administrative Tribunal Act, 1985 (13 of 1985)कStream35 कsub-of section (2)

"Applicant" to section 19Anyone making an application to the Tribunal under ? thist is intended; "@Fifth note of musical scale" These rules fromसुबाबB denotes some;

Working People's Grievances and Pensionin०लयDepartment of Labor and Training) NewDali, May 26, 2015notification

2	THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY	[PART II—SEC. 3(i)]
---	--------------------------------------	---------------------

agent% or s# yKat:Authorized method? By the dealer to the Registrar or by any person authorized by the Registrar to do so.to the officer> Will be presented or relating to = Register of the bench > Gar # show to addressVati Sihat Ridge>Gsent by postWill go.

The prescribed file size in envelope containing full address of each candidate shall be submitted by the applicant.: and may permit the filing of copies.Acknowledgment of receipt of the application will be signed @ as acceptance by the officer receiving the application.

= Yaypeeththe register appointed in relation to each of the following means the rules in whichClause (2) and clause (3) of 28Ridge under GarshiActivities and activities can be planned.

undertransfer to tribunalmercy has been granted; is intended; HaC, will have the same meaning as /mash: in their actIs .

(2) Sub-rule (1)Application under # Following two compilationsTo be submitted in triplicate–

(3) WhereWhere the number of candidates is more than one, paper book form and copies of the application will be given to that number of candidates.but whereNumber of Candidatesis more than five,There ridge>gar applicantAt the time of issuing information to the candidate,(4) The applicant shall submit his/her application.with@Fifth note of musical scale2 म(a) fast

clip attachment and presentation on which the ridge > Gar by or towards the ridge > Gar(5) Sub-rule (1) to Sub-rule (3)Notwithstanding anything else, the Tribunal may:, - Keeping in mind the cause and subsequent nature of more than oneThisDecisions may be clubbed together and a single applicationto file, orIs :but this andAt least one affected? The person joins the application.

Provided that before the Tribunal(Papers can be filed in any proceeding in Hindi., यIf he wishes so: but this andk = orYapeeth –

(2) Sub-rule (1)मContents Notwithstanding anything else, where a final order is made in Hindi, the authorizedAn English translation will be prepared simultaneously and kept on record and distributed to the press.:Shua availableWill be done.# or.

— (1) applicantAny application to the Tribunal byl म? under this @p or someone language of tribunal .— (1) tribunallanguage will be english: (six)Regarding Tribunal"Ridge > Gaand"FromDhaan = Ridge appointed to the bench > GaR nowis white, and the tribunal=y(h) "Ridge>G" से आति> थित,tribunalor the ridge of the judgment of the court > G; (i)"internal application" se vad ya a= y kay%vahayan aibhछेत हैSection 29कsub-Under section (1) or sub-section (2) (j)"Tribunal"Act fromStream4 कsub-section 2)Under > Established Himachalcountry administrative tribunal(t)

(i) compilation number or 1 - impugned order, यthe someone, के साथ आवेदन;(ii) compilation number or 2 – एक पेपर बुक के @प मAll other documents and annexures as specified in the application.

(K)यW took into consideration the relief prayed for and the fact that they all had a common interest in the matter.(b)? ThisAny association representing workers who wishes to be included in a single application: But in the applicationAll of them? % or category or category Y of the person was deductedwho will goIt was filed on behalf ofWords and expressions which are prohibited in these rulesUsed in and not defined but defined in the Act

(K)कसी काय%वाहीमMहदी के उपयोग को अनुPात कर सकेगा; (b)कसी अभिवचन या फाइल कए जाने वाले द> तावेज के अंLेजी अनुवाद का िनदेश दे सकेगा; (c)अंतिम आदेश या तो Mहदी या अंLेजी मकर सकेगा ।

'PartIISection 3(i)°	Gazette of India: Extraordinary	3
अधिकारी येक आवेदन पर उस तारीख को पृQ ठांकत करेगा िजसको वह > तुत कया गया हो या उस िनयम के अधीन > तुत कया गयासमझा गया हो और पृQ ठांकन पर ह> ता(र करेगा ।जाएगी ।उसकउपि> थित म ठीक करने के िलए अनुPात कर सकेगा और यद उ त 16ट अनौपचा6रक कृत क हो तो रिज> Gार आवेदक को 16टको सही करने के िलए 30दन क कालाविध अनुPात कर सकेगा ।उससे उ= हरिज> Gार ारा आवेदक को सूचना क तारीख से30 दन से अनिधक कालाविध के भीतर ठीक करने क अपे(ा होगी ।रिज> Gार आदेश ारा और कारण को लेखबB करते !ए आवेदन को रिज> GR करने से इनकार कर सकेगा तथा समिचत आदेश के िलएमामले को = यायपीठ के सम(> तुत करेगा ।कया जाएगा िजसक अधिका6रता के भीतर– के अधीन रहते !ए ऐसे आवेदन क सुनवाई और िनपटान उस = यायपीठ ारा कया जाएगा िजसक उस मामले पर अधिका6रता है । नहJ है को उनके िवक प पर उस = यायपीठ के रिज> Gार के पास िजसक अधिका6रता के भीतर ऐसा ? यि तआवेदन फाइल करने के समयसाधारणतया िनवास कर रहा है, आवेदन फाइल कर सकेगा ।= यायपीठ के रिज> Gार के प(मराQ Gीयकृत बCक पर आह6रत रेखांकत मानदेय प1 के माW यम से चुकाया जाएगा और जो उस > टेशन कमुR य शाखा या बCक म संदेह होगी जहां उ त = यायपीठ का > थान अवि> थत है या उसका भुगतान संबंिधत = यायपीठ के रिज> Gार के प(मआह6रत रेखांकत भारतीय पो> टल आड%र ारा चुकाया जा सकेगा और जो उस > टेशन केडाकघर मसंदेय हो जहां अधिकरण अवि> थत है :संदेय क जाने वाली फस50/- @पएहोगी :म असमथ% है तो वह ऐसे आवेदक को फस के संदाय से छूट दान कर सकेगा ।आवेदन केआधारको रखेगा और आधार को सतक% jप से संR यांकत कया जाएगा । (2) येक आवेदन िजसके अ= तग%त कण% आवेदन भी है को अ^ छी विलटी के मोटे कागज म एक तरफ दोहरे अ= तराल म टाइप कयाWill go. (3) अ= त6रम आदेश या िनदेशा) तकरने के िलए पृथक आवेदन> तुत करना आव यक नहJ होगा यद मूल आवेदन म उसके िलएथ%ना क गई है ।(4) these rulesके अधीन आवेदन फाइल करने के प चात् कोई आवेदक अ= त6रम आदेश या िनदेश के िलए आवेदन कर सकेगा और आवेदनjप3 महोगा । (5) जहां कोई आवेदक िवलंब माफके िलए आवेदन करता है तो वह शपथप1 ारा समDथत एक पृथक आवेदन फाइल करेगा li.e%:- (5) यद आवेदक उपिनयम(3) और उपिनयम (4)के अधीन अनुPात समय के भीतर 16ट को सुधारने मअसफल रहता है तो		

(2) Sub-rule (1)मअ= तदवQ ट कसी वाद के होते !ए भी वे ? यि त जो सेवानिवृ त, पद^ यित या सेवासमि) त के कारण सेवा मपरंतु अW य(कअनुमित से आवेदन धान = यायपीठ के रिज> Gार के पास फाइल कया जा सकेगा और धारा25 के अधीन आदेश

परंतु यहक जहां अधिकरण एकल आवेदन को एक से अधिक ? यि त या कसी संगम ारा फाइल करने के िलए अनुप्रात करता हैपरंतु या औरक जहां अधिकरण का यह समाधान हो जाता है ककोई आवेदन गरीबी के आधार पर िविहृत फस का संदाय करनेआवेदन फाइल करने का \$ थान.— (1) साधारण जप से कोई आवेदनकसी आवेदक ारा = यायपीठ के रिज> Gार के पास फाइल(2) यद संवी(ा पर आवेदन सही पाया जाए तो उसे स# यकता रिज> Gीकृत कया जाएगा और उसे एक /म संR या दान क(3) यद संवी(ा करने पर आवेदन 16टपूण% पाया जाए और पाई गई 16ट औपचा6रक कृत क हो तो रिज> Gार आवेदक को(4) जब कोई आवेदन रिज> Gीकृत डाक सो) त होता है तो आवेदक को 16टय से अवगत कया जाएगा, यthe someone, और आवेदन फस.—रिज> Gार के पास फाइलकए गए येक आवेदन के साथ 50/-@पए कफस संलV नहोगी िजसे संबंधित(ii) आवेदक त समय के िलए तैनात है, या

(i) उस आदेश कस यिपत सही ित िजसके िव@B आवेदन फाइल कया गया है ।(ii) वाद हेतुक पूण%तया या भागत:उप= नहो :

व*\$ तु.— (1) these rulesके अधीन फाइल कया गया येक आवेदन सिुभ= न शीषY के अधीन सु> पQ ट जप सेतीकरण और संवी। — (1) रिज> Gार या उसकेरा िनयम4 के उपिनयम (1)के अधीनाधिकृत

वेज- (1) येक आवेदन के साथ िन# निलिखत द> तावेज संलV न कए जाएंगे,

4	THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY	[PART II—SEC. 3(i)]
और येक द> तावेज को उपाबंध क1, क2, क3और इसीकार /मश संR यक जप से िचि= हत कया जाएगा ।द> तावेजको भी आवेदन के साथ उपाबB कया जाएगा: वकालतनामा संलV नहोगा ।जब वे एक दूसरे के पा6रणिमक ह ।मसे कसी एक रीत ारा तिमल क जा सकेगी; भेजी जा सकेगी और िसिवल /या संहिता1908 (1908 का 5)कपहली अनुसूची के आदेश5 के िनयम 19क के उपिनयम (2) केउपबंध तिमल करीतको लागू हगे ।> थान और अ= य प6रि> थितय को गणना म लेते !ए िनदेश दे सकेगा क आवेदन क सूचना क तिमल यDथय पर कसीअ= य रीत म, िजसके अ= तग%त त> थानी तिमल क कोई रीत जैसा अधिकरण को = यायिचत और सिुवधाजनक तीत हो, कजाए ।कसी िवभाग या संगठन या कसी िधिकारी, कसी िनगम, के=ीय सरकार के > विम वाधीन या िनयं।णाधीन कसी िनकाय के िलएतिमल को > वीकार करने के िलए > थायी काउंसेल को सूचना क तिमल का िनदेश दे सकेगा ।ित के साथ होगी ।संदाय करेगा,जैसाक नीचे दया गया है:- आदेश क तारीख से एक स) ताह के भीतर या ऐसे िव> ता6रत समय जैसा रिज> Gार अनुप्रात करे जमा क जाएगी ।यDथय पर सूचना क तिमल करना यिु तयु त जप से ? यवहाय% नहJ है तो वह कारण को लेखबB करते !ए, िनदेश दे सकेगाक इसबात के होते !ए भी क आवेदन क सूचना क तिमल नहJ क गई है, आवेदन कसुनवाई क जाएगी: परंतु तब तककसी आवेदन क सुनवाई नहJ क जाएगी जब तक— (2) Sub-rule (1)मिनSदQ ट द> तावेज या तो आवेदक ारा > वयं स यिपत हगे या कसीविधक ? यवसायीारा स यिपत हगे(3) जहां कोई आवेदनकसी अभकता% ारा फाइल कया गया है, उसे अभकता% के जप मकृ य करने के िलए िधिकृत करनेवाले (i) प(कारारा एक अभ> वीकृत के साथ > वयं तिमल और तिमल का एक शपथप1; (ii) /या सेवक ारा द> ती सुपुद%गी; (iii) स# यक् अभ> वीकृत के साथ रिज> टर डाकारा; (iv) संबंधित िवभागाW य(ारा खंड(i) से खंड (iii)मिनSदQ ट कसी एक या अधिक रीतय ारा :परंतु यद अधिकरण तिमल क रीत को िविनSदQ ट नहJ करता तो सूचना स# यक् अभ> वीकृत के साथ रिज> Gीकृत डाक ारा(2) Sub-rule (1)मअ= तदवQ ट कसी बात के होते !ए भी अधिकरण यDथय क संR या को और उनके िनवास के या काय% के(3) उपिनयम (1)मअ= तदवQ ट कसी बात के होते !ए भी अधिकरण मामले क कृत को W यान म रखते !ए के=ीय सरकार के(4) अधिकरणारा जारी येक सूचना जब तक क अ= यथा आदेशन कया जाए आवेदन क एक ित और आ(िपत आदेश क एक(5) येक आवेदक कसी आवेदन क बाबत जहां यथT पांच से अधिक हC /या के िनQ पादन क तिमल के िलए एक फस का भावी करने के िलए उपगत वा> तिवक ? यय से अनिधक है जैसा अधिकरण िविहृत करे ।(6) उपिनयम (2)के अधीन तिमल या/या के िनQ पादन के िलए फस िनयम7 मिविहृत रीत म फस के अवधारण के िलए(7) उपिनयम (1) से उपिनयम (3)मअ= तदवQ ट कसी बात के होते !ए भी अधिकरण का यह समाधान हो जाता है क सभीपरंतु जब कोई आवेदनकसी िविधक ? यवसायक ारा फाइल		

क्या गया है तब उसके साथ स# यक् जप से िनQ पादतब/लक उपचार- कोई आवेदन एकल कार%वाई हेतुक पर आधा6रत होगा और वह एक से अधिक अनुतोषक ई) साकर सकेगासूचना क तिमल और अधिकरण 3रा जारी "#याएं - (1) अधिकरणारा जारी क जाने वाली सूचनाa क िन# निलिखत(ii) उन द> तावेजक ितयां िजन पर आवेदक िनभ%र करता है और िज= ह आवेदन म िनSदQ ट क्या गया है ।(iii) द> तावेजक /म-सूची ।

(i) पांचयDथय से अधिक येक यDथय के िलए पांच @पए क रिश; या(ii) जहां तिमल ऐसी रीत महै जैसा अधिकरण उपिनयम(1) के अधीन िनदेश करे, ऐसी रिश जो तिमल के खंड एक को

(i) के=ीय सरकार या राb य सरकार को आवेदन क सूचना क तिमल न कर दी गई हो, यद ऐसी सरकार यथाT है;

'PartIISection 3(i)°

Gazette of India: Extraordinary

5

रखता है आवेदन का यु तर तीनितय म और उन द> तावेज को िजन पर वह िनभ%र करता है रिज> Gी के पास एक पेपर पु> तका के]प मउसे आवेदन क सूचना के तिमल के एक मास के भीतर फाइल करेगा ।करेगा,अ> वीकार करेगा या उनका > पQ टीकरण देगा और ऐसे अ= य अित6रत तd य का भी कथन कर सकेगा जो मामले म िविन' चय किलए आव' यक पाए जाएं । यथाउपबंधित रीत म िलिखत म उसके ारा स# यKat:िधकृत कसी ? यि त ारा िलिखत कथन के]प म ह> ता(6रत और स यिपतकजाएगी ।कार ि चंनाकत क्या जाएगा ।िविधक ? यवसायी को तिमल करेगा और तिमलके सबूत को रिज> Gी मफाइल करेगा ।के आदेश 6, िनयम 17मउपबंधित है, अनुPात कर सकेगा ।को ऐसी रीत मअधिसूचत करेगा जैसा अW य(साधारण िवशेष आदेश ारा िनदेश करे ।परंतु यद कसी समय अधिकरण के अW य(का यह समाधान हो जाता है ऐसी प6रि> थितयां िवमान हC जो अधिकरण क बैठक कोशमला से िभ= न कसी > थान पर करना आव' यक बनाती है तो वह िहमाचल देश म कसी अ= यसमुचत> थान पर बैठककरने का िनदेशदे सकेगा ।और िविन' चय कैलेg डर के अनुसार करेगी ।Will go.तारीख को िजसको ऐसी सुनवाई का > थिगत करदया गया है आवेदक तब उपि> थत नहJ होता है जब आवेदन पर सुनवाई क जानी है, अधिकरण अपने > व-विवेक पर या तो ? यित/म के िलए आवेदन को खा6रज कर सकेगा या गुणागुण के आधार पर सुनवाई और िविन' चय कर सकेगा ।अविध के भीतर आवेदन फाइल क्या है और अधिकरण का यह समाधान कर दया है क जब आवेदन पर सुनवाई क जानी थी तब उसकेअनुपि> थत होने के पया%) तकारण थे, अधिकरण आवेदन को खा6रज करने को अपा> तकरने का आदेश करेगा और आवेदन को पुन: बहालकरेगा :Will go.आवेदन फाइल क्या गया है; Andतब तक पूरा नहJ होगा जब तक उनका उन यDथय ारा यथेQ ट और पया%) त]प से ितिनिध वन कर िलया जाए िजन परapplicationसूचना क तिमल कर दी गई है ।

(2) Sub-rule (1)मफाइल कए गए यु तर म, यथाT िविनSदQ ट]प से आवेदक ारा उसके आवेदन किथत तd य को > वीcar(3) यु तर पर यथाT ारा या उसके ारा िसिवल /या संहिता, 1908 (1908 का 5) के िनयम 15 के आदेश 6म(4) उपिनयम (1)मिनSदQ ट द> तावेज को यु तर केसाथ भी फाइलकया जाएगा और उ= हआर-1, आर-2, आर-3 और इसी(5) यथाT उपिनयम(1) मयथावDणत द> तावेज के साथ यु तर क एक ित क, यथि> थित आवेदक या उसके अभिकता% या(6) अधिकरण िविहत अविध के अवसान के प' चात्यु तर फाइल करने को अनुPात कर सकेगा ।(7) अधिकरण प(कारको अभिवचन को संशोधत करने के िलए उसी रीत म जैसी िसिवल /या संहिता, 1908 (1908 का 5)

(2) येक आवेदन क सुनवाई और िविन' चय जहां तक संभव हो उसके रिज>Gीकरण कतारीख से छह मास के भीतर क्या(3) अधिकरण को > थगन आदेश को मना करने कऔर मौखक तक% को सीमित करने क भी शि तहोगी ।

(2) Whenकसी आवेदन को ? यित/म के िलए खा6रज कर दया गया है और आवेदक ने खा6रज करने क तारीख से30 दन कपरंतु मामले को गुणागुण के आधार पर िनपटाए जाने कदशा म िविन' चय पर िसवाय पुनरी(ण के पुन: िवचार नहJकया अधिकरण क बैठक- अधिकरण साधारणतया िशमला मअपनी बैठक करेगा:

मामल5 का कैले: डर र र र- (1) येक = यायपीठ अंत6रत मामल का कैलेg डर बनाएगी और जहां तक संभव हो मामल क सुनवाई(ii) Thatिधकारी को आवेदन क सूचना को तिमल नहJ कर दी गई है िजसने उस आदेश को पा6रत क्या था िजसके िव@B(iii) अधिकरण का यह समाधान हो गया हैक उन यDथय का िहित िजनको आवेदन क सूचना क तिमल नहJ क गई है

ित#म के िलए आवेदन पर कार*वाई- (1) कसी आवेदन क सुनवाई के िलए िनयत तारीख को या कसी अ= यन का अधिसूचत "कया जाना- अधिकरण प(कारको आवेदन क सुनवाई क तारीख और > थान वेज5 का फाइल "कया जाना - (1) येक अc यथाT जो आवेदन का ितवाद क वांछा

6	THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY	[PART II—SEC. 3(i)]
को जिसके लिए सुनवाई > थिगत कजा सकेगी आवेदक उपि> थत होता है और यथा तब उपि> थत नहज होता है जब आवेदन पर सुनवाईक जानी है तब अधिकरण सुनवाई को > थिगत करे सकेगा या आवेदन पर एकप(ीय जप से विविन' चय कर सकेगा ।से 30दन के भीतर अधिकरण को उसे अपा> त करने का आदेश करने के लिए आवेदन कर सकगे और यद यथा अधिकरण का यहसमाधान कर देते हक सूचना क स# यकता तिमल नहज क गई थी या उ= ह कसी पया%) त कारण से उपि> थत होने से निवा6रत कया गयाथा जब आवेदन पर सुनवाई क जानी थी तो अधिकरण उनके विव@B एकप(ीय आदेश को ऐसे निबंधन पर जो वह उचित समझे अपा> त करने का आदेश कर सकेगा और आवेदन पर काय%वाही करने के लिएकसी दन को नियत कर सकेगा : इसे सभी या क= हज अ= य यDथय के विव@B भी अपा> त कयाजा सकेगा :but this andक नियम11 के उपिनयम (7)के अधीन आने वाले मामलक दशा म अधिकरण केवल इस आधार पर कसी आवेदन परकए गए एकप(ीय आदेश को अपा> त नहज करेगा क इसक यथा या यDथय पर तिमल नहज क गई थी ।विव@B पुनरी(ण क ई) सा क गई है, कित के ा) त होने क तारीख से30 दन के भीतर फाइल नहज कया गया है ।(2) साधारणतयाकसी पुनरी(ण आवेदन क सुनवाई उसी = यायपीठ ारा क जाएगी जिसम आदेश पा6रत कया है, िसवाय यद अW य(कारण को लेखबB करते !ए उसक कसी अ= य = यायपीठ ारा सुनवाई का आदेश न दे ।= यायपीठ या तो आवेदन को खा6रज कर देगा या विरोधी प(को सूचना का निदेश देगा ।पुनरी(ण के लिए कसी और आवेदन पर विचार नहज कया जाएगा ।जिसम जानकारी के हॊत, वैयितक या अ= यथा और वह आधार भी अ= तDवQ ट ह जो विविधक सलाह पर आधा6रत ह । म मृतक प(कार के विविधक ितिनिध मृ यु क तारीख से90 दन के भीतर आव' यक प(कार के जप म अभिलेख पर लाए जाने के लिएआवेदन कर सक गे ।भीतर काय%वाहय का उपशम हो जाएगा: का ित> थापन कर सकेगा ।से कसी प(कार को समय अनुद त कर सकेगा तथा आवेदन क सुनवाई को > थिगत कर सकेगा और अधिकरण > थगन ारा का6रत लागतक बाबत ऐसा आदेश कर सकेगा जो वह ठीक समझे ।सद> यया सद> यिज= हने आदेश सुनाया है ारा ह> तार कए जाएंगे । के=ीय शासिनक अधिकरण..... 20" (संेप मआईएलआर... सीएटी ... 20 ...)मकिशत कर सकेगा । (2) Whenकसी आवेदन पर कसी यथा या यDथय के विव@B एकप(ीय जप से सुनवाई क गई है, तबयथा आदेश क तारीख परंतुकसी आवेदन पर एकप(ीय आदेश ऐसी कृत का है क इसे केवल एक यथा के विव@B अपा> त नहज कया जा सकता है तो (3) संबंधित = यायपीठारा िसवाय अ= यथा उपबंधित के कसी पुनरी(ण आवेदन का निपटान प6रचालन ारा कया जाएगा और(4) Whenकसी निण%य या आदेश के पुनरी(ण के लिए आवेदन कया गया है और उसका निपटान कर दया गया है तो उसी रीत म(5) तब तकपुनरी(ण के लिएकसी आवेदन पर विचार नहज कया जाएगा जब तक वह स# यKat:शपथप1ारा समDथत न हो(6) पुनरी(ण आवेदन को भीत शपथप1 ारा स# यKat:Lहणकया जाएगा जब कसी तd य का पालन विवादत हो । (2) जब उपिनयम (1)मिविनSदQ ट कालाविध के भीतर विविधक ितिनिध से कोई आवेदन ा) त नहज होता है तो मृतक प(कार केपरंतु अ^ छे और पया%) तcarणपर अधिकरण कसी आवेदन पर उपशमन के आदेश को अपा> त कर सकेगा और विविधक ितिनिधय (2) आदेश को = यायालय मसुनाया जाएगा ।आदेश5 का काशन– (1) अधिकरण अपने उस विविन' चय को,जिसे वहकाशन के लिए उचित समझे, "भारतीय विविध 6रपोट%एकपीय सुनवाई और आवेदन का निपटान– (1) जब आवेदन कसुनवाई के लिए नियत तारीख को या कसी अ= यतारीख पुनरीण के लिए आवेदन– (1) पुनरी(ण के लिए इसी आवेदन पर कार%वाई नहज कजाएगी यद उसे उस आदेश जिसके गल– अधिकरण यद सुनवाई के कसी /म पर पया%) त कारण उपदDशत कए जाएं तो प(कार को या उनमर "कया जाना और तारीख िलखा जाना– (1) अधिकरण केयेक आदेश पर = यायपीठ का गठन करने वालेपन– (1) अधिकरण के सम(काय%वाहयके लंबन के दौरान कसी प(कार के मृ यु क दशा		

'PartIISection 3(i)°	Gazette of India: Extraordinary	7
शतY पर काशन के लिए निमु% त कया जाएगा जो अW य(साधारण या विशेष आदेश ारा विविनSदQ टकरे ।येक अंत6रम आदेश और अंतिम आदेश को आवेदक को और संबंधित यथा या उनके काउंसेल को द> तीसुपुद%गी या डाकारा नि:शू कसंसूचितwill be done: परंतु िसवाय = यायपीठारा अ= यथा आदेश कए जाने के अंतिम आदेश क एक ित कसी यथा को नहज भेजी जाएगी जिसने अपनीउपि> थित दज% नहज क है ।रखता है रिज> Gार को जप4 मआवेदन करेगा और ऐसा आवेदन अनुPात करने पर, Ridge > Gaand,उसके नाम को िलिपकके रिज> टर म दज%करेगा ।अह> तांतरणीय होगा तथा धारक को		

अधिकरण केकसी अधिकारी या इस िनिम त िधकृत अ= य कम%चारी ारा अनुरोध कए जाने परउसे > तुत कया जाएगा तथा पहचान प1 को संबंिधत = यायपीठ के उपरिज> Gार के ह> तार के अधीन जारी कया जाएगा ।

तुरंत रिज> Gीरा उसके िलिपक को जारी पहचान प1 को संलV नकरकेप1रा अधिसूचित करेगा तथा प1 क ि) त पर उ तरिज> Gीकृत िलिपक का नाम रिज> टर से हटादया जाएगा ।कोई फस भा6रत नहJ कजाएगी ।दु@पयोग को रोकने के िलए या = याय करने के िलए ऐसे आदेश या िनदेश दे सकेगा जो वह आव यक या समीचीन समझे ।कसी आदेश के अधीन रहते !ए पूवा%ेन10.00 बजे से अपराेन5.00 बजे तक खुला रहेगा ।कसी िवशेष आदेश के अधीन रहते !ए साधारणतया पूवा%ेन10.30 बजे से अपराेन1.30 बजे और अपराेन2.30 बजे से अपराेन5.00 बजे तक होगा ।निव%हन करेगा जो उसे संबंिधत = यायपीठ के अW य(या सद> यारा इन िनयम के अधीन पृथक् आदेश ारा समनुदिशत कए जाए ।निव%हन कजाने वाली कसी शि त को सहायक रिज> Gार को द तकर सकेगा ।और कृय द त कए गए हC, रिज> Gार कशि तय और कृ य का िनव%हन कर सकेगा ।िधकार के अधीन कसी आदेश,समन या अ= य काय%वाही पर च> पा नहJ कजाएगी । ारा अ= यथा अनुPात न कया जाए ।

(2) अधिकरण के ऐसे आदेश िज= हवे कसी अ= य िधकृत 6रपोट% या ेस म काशन के िलए उचित समझे को ऐसे िनबंधन और

(2) Ridge > Gaand,िलिपक के नाम का रिज> Gीकरण करने के प' चात् उसे एक पहचान प1 जारी करने का िनदेश देगा जो(3) उपिनयम (2)के अधीन रिज> Gीकृत सभी िलिपकका रिज> टर येक = यायपीठ के रिज> Gार के काया%लय म रखा जाएगा ।(4) कसी एक समय कोई िविधक ? यवसायी दो से अनिधक रिज> Gीकृत िलिपक रख सकेगा जब क त्येक = यायपीठ के रिज> Gार (5) जब कोई िविधक ? यवसायीकसी रिज> Gीकृत िलिपक को िनयोजित करना बंद कर देता है तो वह इस तd य से रिज> Gार को

(2)रिज> Gार अW य(के अनुमोदन से सहायक रिज> Gार को इन िनयमके अधीन रिज> Gार ारा कए जाने वाले कसी कृ यcome on(3) रिज> Gार कअनुपि> थित म, सहायक रिज> Gार या कोई अ= य अधिकारी िजसे यथि> थित अW य(ारा रिज> Gार क शि तयां(4) शासकय मुा रिज> Gार क अभर(ा म रखी जाएगी ।(5) अW य(केकसी साधारण या िवशेष िनदेश के रहते !ए, tribunalमुा िसवाय रिज> Gार या सहायक रिज> Gार के िलिखत(6) tribunalमुहर अधिकरण ारा जारी कसी मािणत ित पर िसवाय रिज> Gार या सहायक रिज> Gार के िलिखत िधकारअधिकरण क बैठक का समय – tribunalबैठक का समय(अवकाश = यायपीठ सहित)अW य(ारा कए गए साधारण याअधिकरण का काय*समय- िसवाय रिववार और अ= य साव%जिनक अवकाशके अधिकरण का काया%लय अW य(ारा कए गएआदेश क पकार5 को संसूचना- (1) अंत6रम अनुतोष अनुदत करने वाला या उससे इनकार या उसे उपांत6रत करने वाला

अभिलेख5 के िनरीण के िलए कोई फस नह@- कसी लंिबत आवेदन म कसी प(कार ारा अभिलेख के िनरी(ण के िलएकितपय मामल5 म आदेश और िनदेश- अधिकरणभावी करने के िलए या अपने आदेश के संबंध म या उसक /या के

यां और कृ4 य-(1) रिज> Gार के पास अधिकरण के अभिलेखक अभर(ा होगी और ऐसेअ= य कृ यOाण – (1) कोई िविधक ? यवसायी जो अपने िलिपक के रज> Gीकरण कवांछा

8	THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY	[PART II—SEC. 3(i)]
के च> पा नहJ कजाएगी ।कसी साधारण या िवशेष आदेश के रहते !ए िन# निलिखत शि तयां और कत%? य हगे, i.e% साधारण िवशेष आदेश के अधीन अ= य = यायपीठ क रिज> टरी का िनरी(ण करनेया िनरी(ण का6रत करने और सूचना और अभिलेखक मंगाने क शि तहोगी । प6रधान वह होगा जो अW य(ारा िविनSदQ ट कया जाए ।प6रधान यthe someone, मउपि> थत होगायद ऐसा कोई प6रधान नहJ है तो, - (i) पु@ष कदशा म बंद कॉलर का कोट और पCट या कसी लॉउंज सूट म; (ii) मिहला कदशा म साड़ी या ह के रंग के कसी अ= य पारंप6रक प6रधान म । (viii)सूचनाaकतिमल या अ= य काय%वािहय, नई सूचना जारी करने के आवेदनया आवेदन फाइल करने के ि लए समय का(vii)अधिकरण के अभिलेखका िनरी(ण करने क अनुमित दान करने; (xii)द> तावेजको वापस करने के िलए प(कारके आवेदनको ा) तकरना और उनका िनपटान करना । (iv)applicationपहली सुनवाई या अ= य काय%वािहय क तारीख िनयत करना और = याय के िनदेशके अधीन रहते !ए उसक (vi)काय%वािहयम प(कार को कसी द> तावेज क ितयां अनुद तकरने का िनदेश देना ;		

(ix)कसी = यायालय या अ= य िधिकारी क अभिर(ा से अभिलेख को मंगाना;

(xi)ित> थापन के िलए िसवाय वहां जहां ित> थापन म दुQ ेरण के कसी आदेश को अपा> त करना अंतव%िलत नहJ है,

(iii)अधिकरण के सम(> तुत कसी आवेदन पर अधिनयम और िनयम के अधीन संशोधन क अपे(ा करना;

(v)अभिलेखका कोई औपचा6रक संशोधन करने का िनदेश देना;

(x)आवेदन के लंबन के दौरान मृतक प(कारके िविधक ितिनिधय को ित> थापत करने के िलए मृ युक्तारीख से90 (ii)रिज> Gीकरण से पूर्व%कसी आवेदन क संवी(ा से उiभूत येक ' न का िविन' चय करना ;

मुDा और तीक – tribunalशासकय मुा और तीक वे हगे जो के= िय सरकार ारा िविनSदQ ट कए जाएं ।(i)

पकार5 का पCरधान– यथि> थित कोई िविधक ? यवसायी या> तुती अधिकारी अधिकरण के सम(अपने ? यवसायकसूचना जारी करना ;

िव> तार करने से संबंिधत कसी मामले का िनपटान करना, कोई उतर या यु तand,यthe someone, फाइल करने के िलए30 दन से अनिधक समय अनुद त करना और पूर्व; तOfलाविध के अवसान के प' चात समिचत आदेश के िलए= यायपीठ के सम(मामल को रखना ।

दन के भीतर आवेदन ा) तकरना ;आवेदनको ा) तकरना और उनका िनपटान करना ; और

कसी अंित6रत आवेदन सहित येक आवेदन या अ= य द> तावेज ा) तकरना ;

और कम*चाCरय5 का पCरधान – अधिकरण के सद> य (िजसके अ= तग%त अW य(है) और कम%चारीवृंद कायां और कत*< य – these rulesम अ= य1 द त शि तय के अित6र त, रिज> Gार के अW य(के

यां – धान = यायपीठ के रिज> Gार को समय-समय पर अW य(ारा जारी

[सं. क- 11014/4/2008-एटी]अच%ना वमा%, joint तSecretary

¹PartIISection 3(i)^o	Gazette of India: Extraordinary	9																								
मामले का नाम := यायपीठAdministrative Tribunal Act, 1985 कStream19 के अधीन आवेदनहिमाचलदेश शासिनक अधिकरण म [िनयम 4]]प1																										
<table border="1"> <tr><td></td><td></td><td></td></tr> <tr><td></td><td></td><td></td></tr> <tr><td></td><td></td><td></td></tr> <tr><td></td><td></td><td></td></tr> <tr><td></td><td></td><td></td></tr> <tr><td></td><td></td><td></td></tr> <tr><td></td><td></td><td></td></tr> <tr><td></td><td></td><td></td></tr> </table>																										
अधिकरण के काया%लय मउपयोग के िलएफाइल करने कतारीख..... या डाकारा ि) त क तारीख..... रिज> Gीकरण संR या रिज> Gार के ह> ता(र																										
Andग. घ. (िववरण जोड़े और िनवास या काया%लय का पता िजस पर सूचना कतिमल यथाT या यDथय पर क जानी है । येक यथाके I यौरे अनु/िमक]प म दए जाने हC ।																										
आवेदन के I यौरे :1. उस आदेश किविशिQ टयां िजसके िव@B आवेदन कया गया है(आदेश के I यौरे जैसे संR या, तारीख और वहिधकारी िजसने आदेश पा6रत कया है िजसके िव@B आवेदन कया गया है किविशिQ टयां) ।																										
5. 6.																										
क. ख. (पु1, का ि नवासी और ि नयोजन का > थान या अंितम ि नयोजन जैसा ि ववरण जोड़े)हिमाचलदेश शासिनक अधिकरण म																										
आवेदक के ह> ता(र applicant																										

2. tribunal अधिकांशतः आवेदक घोषणा करता हैक उस आदेश क िवषयव> तु िजसके िव@B राहत चाहता है अधिकरण के (े) अधिकार के भीतर है ।3. समय सीमा : आवेदक यह और घोषणा करता हैक आवेदन शासिनक अधिकरण अधिनियम, 1985 कStream21 मि विहतसमय सीमा कालाविध के भीतर है ।4. मामले के तd य : (यहां अनु/िमक jप से तd यका संि) त िववरण द, जहां तक संभव होयेक पैरा म पृथ क मुmा या तd य अ= तDवQ टहोगा) ।5. िविधक उपबंधके साथ राहत के आधार: 6. उन उपचारके । यौर जो लिलए गए हC: आवेदक घोषणा करता है उसने वे सभी उपचार जो सुसंगत सेवा िनयमआद के अधीन उसे उपलब्ध है, का उपयोग कर िलया है ।(यहां अनु/िमक jप सेकए गए अc यावेदन के । यौर और उसके समथ%न म उपाबंध क संR या को िनSदQ ट करते !ए ऐसे अc यावेदनOfप6रणाम द) 7. वह मामला जो पूव% मफाइल नहJ कया गया है या कसी = यायालय के पास लंबित नहJ है; आवेदक यह और घोषणा करता हैक उसने उस िवषय क बाबत कसी = यायालय या कसी अ= य िधिकारी या अधिकरण क कसी अ= य= यायपीठ मपूव% म कोई आवेदन, 6रट याचका या वाद फाइल नहJकया है िजसके संबंध म ये आवेदन कया गया है और न ही ऐसा आवेदन, 6रट याचका या वाद उनमसे कसी के सम(लंबित है ।applicantारा पूव% म ऐसा आवेदन, 6रट याचका या सूट फाइलकए जाने क दशा म, वह/म िजस पर वह लंबित है और यदिविन' चय कया गया है तो उसके समथ%न म दए जाने वाले उपाबB क संR या को िनSदQ ट करते !ए िविन' चय क सूची द ।8. ई) सा कगई राहत: ऊपर पैरा 6मवDणत तd य को मmेनजर रखते !ए आवेदक िन# निलिखत राहत (तो)काथ%ना करता है:—(नीचेई) सा कगई राहत को, ऐसी राहत के आधारको > पQ ट करते !ए और िविधक उपबंध, यद कोई है, िजन पर िनभ%रकया गया है, िविनSदQ ट कर) 9. अंत6रम आदेश, यद कोई है िजसके िलए ाथ%ना क गई है: आवेदन के अंतिम िविन' चय के लंबन के दौरान आवेदक िन# निलिखतअंत6रम राहत कवांछा करता है: (यहांाDथत अंत6रम राहत क कृत द) 10. आवेदन के रिज> Gीकृत डाक से भेजे जाने कदशा म यह कथन कया जाए क आवेदक अनुमित /म पर मौखक सुनवाई क इ^ छारखता है तो वह उसके साथ > वयं का पता िलखा पो> टकाड% या अभ> वीकृत काड% उपाबB करे िजसके माW यम से सुनवाई कतारीख के संबंध म उसे सूचना भेजी जा सके ।11. आवेदन फस के संबंध म बCक n।oट/पो> टल आड%र किविशिQ टयां ।12. संलV नकक सूची

मC..... (आवेदक का नाम)पु1/पु1/पनी आयु के jपम..... केकाया%लय मकाय%रत..... िनवासी एतदारा पैरा से पैरा तक कोसयिपत करती pं क वे मेरी वैयिक्क जानकारी के अनुसारस य हC और पैरा से पैरा के, िविधक सलाह के अनुसार मुझे सय होने का िव' वास है औरमCनेकसी ता वक तd य को िछपाया नहJ है।तारीख> थान 1. 2. 3. 4.

आवेदक के ह> ता(र

सcome onपन

के=ीय शासिनक अधिकरण..... = यायपीठ मXी/कुमारी/Xीमती..... मं1ालय/िवभाग/ काया%लय..... िनवासी के आवेदन क अभ> वीकृत दी जाती है ।

एतदारा..... पैरा सेपैरा तक को सयिपत करती pं क वे मेरी वैयिक्क जानकारी के अनुसार स य हC और..... पैरा सेपैरा के, िविधक सलाह के अनुसार मुझे सय होने का िव' वास है और मCनेकसी ता वक तd य को िछपाया नहJ है ।तारीख> थान मC..... (आवेदक का नाम)पु1/पनी/ पु1..... आयु के jप म..... के काया%लय मकाय%रत..... कमूल/अंत6रत आवेदन सं. Ofकण%आवेदन सं. िनवासी हिमाचलदेश शासिनक अधिकरण मिहमाचलदेश शासिनक अधिकरण मतारीख..... आवेदक/याची..... यथT/

आवेदक आवेदन करने के संवि() त तd य.....=यायपीठ = यायपीठराहत यााथ%ना[िनयम 4(4)][िनयम 8(3)] आवेदक के ह> ता(रअधवह/अभकता% के ह> ता(र िr पचT सcome onपन]प2]प3 बनामम िहमाचलcountry administrative tribunalमुा : = यायपीठ कृते रिज> Gार	
---	--

12	THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY	[PART II—SEC. 3(i)]
----	--------------------------------------	---------------------

हिमाचलदेश शासिनक अधिकरण म ि लिपक के]प म रिज> Gीकरण के ि लए आवेदन..... = यायपीठ[िनयम 2(2)]प4

1. िविधक ? यवसायी का नाम िजसक िनिम त िलिपक को रि2. रिज> Gीकृत कए जाने वाले िलिपक क िविशिQ टयां पूरा नाम (> पQ ट अ(र म) िपता का नाम आयु और ज= म क तारीखज= म का > थान	> टर क्या जाना ह । च पा क्या जाना है ।
---	--

राQ Gीयताशै(क अह%तापूर्व% िनयोजन, यद कोई है क िविशिQ टयांमC..... (पूर्व] तिलिपक)itितPान करता pं क मुझसे संबंधित ऊपर दी गई िविशिQ टयां स य हC 13. या िविधक ? यवसायी के पास उसकेअधीन पहले से ही रिज> Gीकृत कोई अ= य िलिपक है औरया रिज> Gीकृत क्या जाने वालालिपक उसके > थान पर है या पहले से ही रिज> Gीकृत िलिपक के अित6र ताs .4. या रिज> Gीकृत क्या जाने वाला िलिपक को कसी अ= यिविधक ? यवसायी के िलिपक के]प म रिज> Gीकृत क्या गया है और यद हांतो ऐसे ? यवसायी का नाम मC..... (िविधक ? यवसायी)मिणत कस्तपं क ऊपर दी गई िविशिQ टयां मेसी सब] तम जानकसी और िव' वास केअनुसार सय है तथा मC कसी ऐसे तd य से िभP नहJ pं जोउ त..... (नाम)को िलिपक के]पमRidge> Gकृत करने के िलएअनुपयुक्त ठहराता है । इसके अित6रत मC10/- @पए का पो> ट आड%र पहचान पं.कलामत के]प म आवेदक केमेरे ारा स# यKat:Anuमिणत दो पासपोट% आकार के फोटो के साथ संलV न करस्हपं।तारीखसेवा मRidge > Gaand,िहमाचलcountry administrative tribunal..... = यायपीठिविधक ? यवसायी के ह> ता(र िलिपक के ह> ता(र

¹ PartIISection 3(i) ^o	Gazette of India: Extraordinary	13
--	---------------------------------	----

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th May , 2015

G.S.R. 428(E).—In exercise of the powers conferred by clauses (d), (e) and (f) of sub-section (2) of section 35 of the Administrative Tribunals Act, 1985 (13 of 1985), the Central Government makes the following rules, namely:-

1. Short title and commencement.- (1) These rules may be called the Himachal Pradesh Administrative Tribunal (Procedure) Rules, 2015.

2. Definition.- In these rules, —

(a)“Act” means the Administrative Tribunals Act, 1985 (13 of 1985);

- (b) “agent” means a person duly authorised by a party to present an application, written reply, rejoinder or any other document on his behalf before the Tribunal;
- (c) “applicant” means person making an application to the Tribunal under section 19;
- (d) “Form” means a Form annexed to these rules;
- (e) “legal practitioner” shall have the same meaning as assigned to it in the Advocates Act, 1961 (25 of 1961); (f) “legal representative” means a person who in law represents the estate of the deceased person and includes a person or persons in whom the right to receive pensionary, retirement, terminal or other benefits or family pension, vests;
- (g) “Registrar”, in relation to the Tribunal, means the Registrar appointed to the Principal Bench and in relation to each of the other Benches of the Tribunal shall mean the Registrar appointed to whom the powers and functions of the Registrar may be delegated under clauses (2) and (3) of rule 28;
- (h) “Registry” means the registry of the Tribunal or of the Bench of the Tribunal, as the case may be;
- (i) “transferred application” means the suit or other proceeding which has been transferred to the Tribunal under sub-section (1) or sub-section (2) of section 29;
- (j) “Tribunal” means the Himachal Pradesh Administrative Tribunal established under sub-section (2) of section 4 of the Act;
- (k) words and expression used and not defined in these rules, but defined in the Act shall have the same meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Language of the Tribunal.- (1) The language of the Tribunal shall be English:

Provided that the parties to a proceeding before the Tribunal may file documents drawn up in Hindi, if they so desire:

Provided further that the Bench may -

- (a) permit the use of Hindi in any proceeding;
- (b) direct English translation of any pleading or document to be filed;
- (c) make final orders either in Hindi or in English.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), where a final order is made in Hindi, authenticated English translation thereof shall simultaneously be prepared and kept on record and provided to the parties free of cost. **4.**

Procedure of filing applications.- (1) An application to the Tribunal shall be presented in

Form I, by the applicant in person or by an agent or by a duly authorised legal practitioner to the Registrar or any other officer authorised by the Registrar to receive the same or be sent by registered post with acknowledgement duly addressed to the Registrar of the Bench concerned.

(2) The application under sub-rule (1) shall be presented in triplicate in the following two compilations – (i) Compilation No. 1. – application along with the impugned order, if any;

14		THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY	[PART II—SEC. 3(i)]
	(ii)	Compilation No. 2. – all other documents and annexure referred to in the application in a paper book	

form.

(3) Where the number of respondents is more than one, as many extra copies of the application in paper-book विटु ए जीमतम न्तम तमेचविकमदजे जवहम्जीमत पूपजी नदनेमक पिसम प्रम् मदमस्विचम इमन्तपदह जीम निसिस नक्तमे व मिम्बी तमेच्चिदकमदज प्रेंस आमfurnished by the applicant:

Provided that where the number of respondents is more than five, the Registrar may permit the applicant to file the extra copies of the application at the time of issue of notice to the respondents.

(4) The applicant may attach and present with his application a receipt slip as in

Form II, which shall be signed by the Registrar or the officer receiving the application on behalf of the Registrar, in acknowledgement of the receipt of the application.

(5) Notwithstanding anything contained in sub-rules (1) to (3), the Tribunal may permit,

(a) more than one person to join together and file a single application if it is satisfied, having regard to the cause and the nature of relief prayed for that they have a common interest in the matter, or

(b) an association representing the persons desirous of joining in a single application:

Provided, that the application shall disclose the class or grade or categories or persons on whose behalf it has been filed:

Provided further that at least one affected person joins the application.

5. Presentation and scrutiny of application.- (1) The Registrar or the officer authorised by him under sub-rule (1) of rule 4 shall endorse on every application the date on which it is presented or deemed to have been presented under that rule and shall sign the endorsement.

(2) If, on scrutiny, the application is found to be in order, it shall be duly registered and given a serial number.

(3) If the application, on scrutiny, is found to be defective and the defect noticed is formal in nature, the Registrar may allow the applicant to satisfy the same in his presence, and if the said defect is not formal in nature, the Registrar may allow the applicant a period of the thirty days to rectify the defect.

(4) Where an application is received by registered post, the applicant shall be informed of the defects, if any, and he shall be required to rectify the same within a period not exceeding thirty days from the date of information to the applicant by the Registrar.

(5) If the applicant fails to rectify the defect within the time allowed under sub-rules (3) and (4), the Registrar may, by order and for reasons to be recorded in writing, decline to register the application and place the matter before the Bench for appropriate orders.

6. Place of filing applications. – (1) An application shall ordinarily be filed by an applicant with the Registrar of the Bench within whose jurisdiction –

(i) the applicant is posted for the time being, or

(ii) the cause of action, wholly or in part, has arisen:

Provided that with the leave of the Chairman the application may be filed with the Registrar of the Principal Bench and subject to the orders under section 25, such application shall be heard and disposed of by the bench which has jurisdiction over the matter.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) persons who have ceased to be in service by reason of retirement, dismissal or termination of service may at his option file application with the Registrar of the Bench within whose jurisdiction such person is ordinarily residing at the time of filing of the application.

7. Application fee.- Every application filed with the Registrar shall be accompanied by a fee of fifty rupees to be remitted in the form of crossed demand draft drawn on a nationalised bank in favour of the Registrar of the

concerned Bench and payable at the main Branch or the Bank at the station where the seat of the said Bench is situated or remitted through a crossed Indian Postal Order drawn in favour of the Registrar of the concerned Bench and payable at the Post Office of the station where the Tribunal is situated:

Provided that where the Tribunal permits a single application to be filed, either by more than one person or by an association, the fee payable shall be fifty rupees:

Provided further that where the Tribunal is satisfied that an applicant is unable to pay the prescribed fee on ground of indigence, it may exempt such an applicant from the payment of fee.

¹ Part IISection 3(i) ^o	Gazette of India: Extraordinary	15
---	---------------------------------	----

8. Contents of application.- (1) Every application filed under these rules shall set forth concisely under distinct heads, the grounds for the application and the grounds shall be numbered consecutively.

(2) Every application including any miscellaneous application shall be typed in double space on one side on thick paper of good quality.

(3) It shall not be necessary to present a separate application to seek an interim order or direction, if in original application the same is prayed for.

(4) An applicant may, subsequent to the filing of an application under these rules, apply for an interim order or direction, and the application shall be in

Form III.

;5ddh gym nchchasapbandaj emmo bavdakvdanjpavad wa ikamsanlae eem eensas pisam n emachantajam nchachasapbandajpavad enachachasapbandj il ndaffidavit.

9. Documents to accompany the application. – (1) Every application shall be accompanied by the following documents; namely :-

(i) attested true copy of the order against which the application is filed.

(ii) copies of the documents relied upon by the applicant and referred to in the application;

(iii) an index of the documents.

(2) The documents referred to in sub-rule (1) may be either self attested or attested by a legal practitioner and each document shall be marked serially as Annexures A1, A2, A3 and so on.

(3) Where an application is filed by any agent, documents authorising him to act as agent shall also be appended to the application:

Provided that where an application is filed by a legal practitioner, it shall be accompanied by a duly executed 'Vakalatnama'.

10. Plural remedies. – An application shall be based upon a single cause of action and may seek one or more reliefs where they are consequential to one another.

11. Service of notice and processes issued by the Tribunal. – (1) Notices to be issued by the Tribunal may be served by any of the following modes;

(i) service by the party himself together with an acknowledgement and an affidavit of service;

- (ii) by hand delivery through process server;
- (iii) by registered post with acknowledgement due;
- (iv) through the concerned head of the Department by any one or more of the modes referred to in clauses (i) to (iii):

Provided that if the Tribunal does not specify the mode of service, notice may be sent by registered post 'with acknowledgement due' and the provision of sub-rule (2) of rule 19A of Order V of First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), shall apply to the mode of service.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), the Tribunal may, taking into account the number of respondents and their places of residence or work and other circumstances, direct the notice of the application shall be served upon the respondents in any other manner, including any manner of substituted service, as it appears to the Tribunal just and convenient.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), the Tribunal may, having regard to the nature of the case, direct the service of the notice on the Standing Counsel, authorised to accept the service, for any Department or Organisation of the Central Government, or an authority, a corporation, a body owned or controlled by the Central Government.

(4) Every notice issued by the Tribunal shall unless otherwise ordered, be accompanied by a copy of the application and a copy of the impugned order.

(5) Every applicant shall pay a fee for the service of execution of processes, in respect of an application where the number of respondents exceeds five, as under:-

- (i) a sum of five rupees for each respondent in excess of five respondents; or

16		THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY	[PART II—SEC. 3(i)]
	(ii)	where the service is in such a manner as the Tribunal may direct under sub-rule (1), such a sum not	

exceeding the actual charges incurred in effecting clause (i) of the service as may be determined by the Tribunal.

(6) The fee for the service or execution of processes under sub-rule (2) shall be remitted in the manner prescribed in rule 7 within one week of the date of the order determined the fee or within such extended time as the Registrar may permit.

(7) Notwithstanding anything contained in sub-rules (1) to (3), if the Tribunal is satisfied that it is not reasonably practicable to serve notice of application upon all the respondents, it may, for reasons to be recorded in writing, direct that the application shall be heard notwithstanding that some of the respondents have not been served with notice of the application:

Provided that no application shall be heard unless -

- (i) notice of the application has been served on the Central Government or the State Government, if such Government is a respondent;
- (ii) notice of the application has been served on the authority which passed the order against which the application has been filed; and

(iii) the Tribunal is satisfied that the interests of the respondents on whom notice of the application has not been served are adequately and sufficiently represented by the respondents on whom notice of the application has been served.

12. Filing of reply and other documents by the respondents. - (1) Each respondents intending to contest the application, shall file in triplicate the reply to the application and the document relied upon, in paper book from with the registry, within one month of the service of notice of the application on him.

(2) In the reply filed under sub-rule (1), the respondent shall specifically admit, deny or explain the facts stated by the applicant in his application and may also state such additional facts as may be found necessary for the just decision of the case.

(3) The reply shall be signed and verified as a written statement by the respondent or any other person duly authorised by him in writing in the same manner as provided for in order VI, rule 15 of the code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908).

(4) The documents referred to in sub-rule (1) shall also be filed alongwith the reply and the same shall be marked as R1, R2, R3 and so on.

(5) The respondent shall also serve a copy of the reply alongwith documents as mentioned in sub-rule(1) on the applicant or his agent or his legal practitioner, as the case may be, and file proof of service in the Registry.

(6) The Tribunal may allow filling of the reply after the expiry of the prescribed period.

(7) The Tribunal may permit the parties to amend the pleadings in the same manner as provided under Order 6, Rule 17 of the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908).

13. Date and place of hearing to be notified. – The Tribunal shall notify to the parties the date and the place of hearing of the application in such manner as the Chairman may by general or special order direct.

14. Sitting of Tribunal. – The Tribunal shall ordinarily hold its sittings at Shimla:

Provided that, if at any time, the Chairman of the Tribunal is satisfied that circumstances exist which render it necessary to have sittings of the Tribunal at any place other than Shimla, he may direct to hold the sittings at any other appropriate place in Himachal Pradesh.

15. Calendar of cases. - (1) Each Bench shall draw up a calendar for the hearing of transferred cases and, as far as possible, hear and decide the cases according to the calendar.

(2) Every application shall be heard and decided as far as possible, within six months from the date of its registration.

(3) The Tribunal shall have the power to decline an adjournment and also to limit the time for oral arguments.

16. Action on application for application's default. – (1) Where on the date fixed for hearing of the application or on any other date to which such hearing may be adjourned the applicant does not appear when the application is called for hearing, the Tribunal may in its discretion, either dismiss the application for default or hear and decide it on merit.

¹ Part IISection 3(i) ^o	Gazette of India: Extraordinary	17
---	---------------------------------	----

(2) Where an application has been dismissed for default and the applicant files an application within thirty days from the date of dismissal and satisfies the Tribunal that there was sufficient cause for his non - appearance when

the application was called for hearing, the Tribunal shall make an order setting aside the order dismissing the application and restore the same:

Provided that where the case was disposed of on merits, the decision shall not be re-opened except by way of review.

17.Ex-Parte hearing and disposal of application.— (1) Where on the date fixed for hearing the application or on any one respondent only, it may be set aside as against all or any of the other respondents also:

Provided further that in cases covered by sub-rule (7) of rule 11, the Tribunal shall not set aside *ex-parte* order of an application merely on the ground that it was not served upon a respondent or respondents.

18. Application for review.—(1) No application for review shall be entertained unless it is filed within thirty days from therein the source of knowledge, personal or otherwise, and also those which are sworn on the basis of the legal advice.

(6) The counter affidavit in review application shall also be by a duly sworn affidavit, wherever any averment of fact is disputed.

19. Substitution of legal representatives.—(1) In the case of death of a party during the pendency of the proceedings

18	THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY	[PART II—SEC. 3(i)]
----	--------------------------------------	---------------------

23. Communication of order to parties.— (1) Every interim order, granting or refusing or modifying interim relief and final order shall be communicated to the applicant and to the concerned respondent or to their Counsels, either by hand delivery or by post, free of cost:

Provided that unless ordered otherwise by a Bench, a copy of the final order may not be sent to any respondent who has not entered appearance:

24. Tmhapejatanjapavada va bismato va simahans chatambajapajapavadamantankr(1) A legal practitioner desirous of registering his clerk shall make an application to the Registrar in

form IV and on such application being allowed by the Registrar, his name shall be entered Pad Jim Tmahpejant and Bismaton

(2) After registration of the clerk, the registrar shall direct the issue of an identity card to him which shall be non-transferable and shall be produced by the holder upon request by an officer or other employee of the Tribunal authorised in this behalf and the identity card shall be issued under the signature of the Deputy Registrar of the Bench concerned.

(3) तमहपेजमत व संसस जीम बसमतो तमहपेजमतमक नदकमत ने.निसम (2) त्रिस इम उम्पद्जंप्दमक पद जीम विफिषम व जीम तमहपेजतंत व शिमeach Bench.

(4) समहंस चतंबजपजपविदमत फ्रेंसस स्म मंज न जपुम द्विज उवतम जिंद जूव तमहपेजमतमक बसमतो नदसमे जीम तमहपेजतंत व मिम्बीBench.

(5) Whenever a legal practitioner ceases to employ a registered clerk, he shall notify the fact at once to the Registrar by means of a letter enclosing therewith the identity card issued to his clerk by the registry, and on receipt of the letter, the name of the said registered clerk shall be struck off from the register.

25. No fee for inspections of records.— No fee shall be charged for inspecting the records of a pending application by a party thereto.

26. Orders and directions in certain cases.— The Tribunal may make such orders or give such directions as may be necessary or expedient to give effect or in relation to its orders or to prevent abuse of its process or to secure the ends of justice.

27. Working hours of the Tribunal.— Except on Sundays and other public holidays, the office of the Tribunal shall, subject to any order made by the Chairman, remain open from 10.00 a.m. to 5 p.m.

28. Sitting hours of the Tribunal.— The sitting hours of the Tribunal (including a vacation Bench) shall ordinarily be from 10.30 a.m. to 1.30 p.m. and 2.30 p.m. to 5 p.m. subject to any general or special order made by the Chairman.

29. Powers and functions of the Registrar.— (1) The Registrar shall have the custody of the records of the Tribunal and shall exercise such other functions as are assigned to him under these rules or by the Chairman or a Member of the Bench concerned by separate order.

(2) The Registrar may, with the approval of the Chairman delegate to the Assistant Registrar any function or power required by these rules to be performed or exercised by the Registrar.

(3) In the absence of the Registrar, the Assistant Registrar or any other officer to whom the powers and functions of the Registrar are delegated by the Chairman, as the case may be, may exercise the powers and functions of the Registrar.

(4) The official seal shall be kept in the custody of the Registrar.

(5) Subject to any general or special direction by the Chairman, the seal of the Tribunal shall not be affixed to any order, summons or other process save under the authority in writing by the Registrar or the Assistant Registrar.

(6) The seal of the Tribunal shall not be affixed to any certified copy issued by the Tribunal save under the authority in writing by the Registrar or the Assistant Registrar.

30. Additional powers and duties of Registrar.— In addition to the powers conferred, elsewhere in these rules, the Registrar shall have the following powers and duties subject to any general or special order of the Chairman, namely :-

- (i) to receive every application or other document including a transferred application;
- (ii) to decide every question arising out of the scrutiny of the application before registration;
- (iii) to require any application presented to the Tribunal to be amended in accordance with the Act and the rules;

¹ Part II Section 3(i) ^o	Gazette of India: Extraordinary	19
(iv)	to fix the date of first hearing of the application or other proceeding and issue notice thereof subject to	

the direction of the Bench;

(v) to direct any formal amendment of records;

(vi) to order grant of copies of any document to parties to the proceedings;

(vii) to grant leave to inspect the records of the Tribunal;

(viii)

to dispose of any matter relating to the service of notices or other processes, applications for the issue of fresh notices or for extending the time for filing the applications, to grant time not exceeding thirty days for filing a reply or rejoinder if any, and to place the matter before the Bench for appropriate orders after the expiry of the aforesaid period;

(ix) to requisition records from the custody of any court or other authority ;

(x) to receive application within ninety days from the date of death for substitution of legal representatives of the deceased parties during the pendency of the application;

(xi) to receive and dispose of applications for substitution, except where the substitution does not involve setting aside an order of abatement ; and

(xii) to receive and dispose of applications by parties for return of documents.

31. Additional powers of the Registrar of the Principal Bench.— The Registrar of Principal Bench shall have the power to call for information and records and to inspect or cause to be inspected the registry of the other Benches under general or special orders as may be issued by the Chairman from time to time.

32. Seal and emblem.— The official seal and emblem of the Tribunal shall be such as the Central Government may specify.

33. Dress of the Members and staff of the Tribunal.— The dress for the Members of the Tribunal (including Chairman) and members of the staff of the Tribunal shall be such as the Chairman may specify.

34. Dress of the parties.— A legal practitioner or, as the case may be, a presenting officer shall appear before the Tribunal in his professional dress, if any, and if there is no such dress, -

(i) if a male, in a closed, collared coat and trousers or in a lounge suit;

(ii) if a female, in a saree or any other customary dress of a sober colour.

[No. A-11014/4/2008-AT]

ARCHANA VERMA, Jt. Secy.

FORM I

[RULE 4]

APPLICATION UNDER SECTION 19 OF THE ADMINISTRATIVE TRIBUNALS ACT, 1985 IN THE HIMACHAL PRADESH ADMINISTRATIVE TRIBUNAL

Title of the Case : ----- Bench

INDEX

Sl. Nos. Description of documents relied upon Page No.

1. Application

2.

3.

4.

5.

6.

Signature of the applicant

20	THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY	[PART II—SEC. 3(i)]
----	--------------------------------------	---------------------

For use in Tribunal's Office

Date of filing or date of Receipt by Post

.....Registration No. Signature of Registrar

IN THE HIMACHAL PRADESH ADMINISTRATIVE TRIBUNAL BENCH

Between

A.B. (add description such as son of,
resident of and place of employment or
last employed.) APPLICANT

And

C.D. (add description and the residential or official
address on which the service of notices is to
be effected on the respondent or respondents.

The details of each respondent are to be given
in a chronological order.) RESPONDENT

DETAILS OF APPLICATION:

1.Particulars of the order against which the application is made:

(Particulars of the order giving the details like the number, date and the authority which has passed the order,
against which the application is made).

2.Jurisdiction of the Tribunal :

The applicant declares that the subject matter of the order against which he wants redressal is within the jurisdiction
of the Tribunal.

3.Limitation :

The applicant further declares that the application is within the limitation period prescribed in section 21 of the
Administrative Tribunals Act, 1985.

4.Facts of the case :

(Give here a concise statement of facts in a chronological order, each paragraph containing as nearly as possible a
separate issue or fact).

5. Grounds for relief with legal provisions:

6.Details of the remedies exhausted :

The applicant declares that he has availed of all the remedies available to him under the relevant service rules, etc.

(Give here chronologically the details of representations made and the outcome to such representations with
reference to the number of Annexure to be given in support thereof).

¹ PartIISection 3(i) ^o	Gazette of India: Extraordinary	21
--	---------------------------------	----

7.Matters not previously filed or pending with any other court :

The applicant further declares that he had not previously filed any application, writ petition or suit regarding the

matter in respect of which this application has been made, before any court or any other authority or any other Bench of the Tribunal nor any such application, writ petition or suit is pending before any of them.

In case the applicants had previously filed any such application, writ petition or suit, the stage at which it is pending, and if decided, the list of the decisions should be given with reference to the number of Annexure to be given in support thereof.

8. Relief(s) sought :

In view of the facts mentioned in para 6 above the applicant prays for the following relief(s) .— (Specify below the relief(s) sought explaining the grounds for such relief(s) and the legal provisions, if any, relied upon).

9. Interim order, if any prayed for :

चम्दकपदाह पदन्स कम्पपेपवद वद जीम न्चिस्पबंजपवदाये जीम न्चिस्पबंदज मम्मो जीम विससुपदाह पद्जमतपु तमसिप्म
रू (Give here the nature of the interim relief prayed for).

10. In the event of application being sent registered post, it may be stated whether the applicant desires to have oral hearing at the admission stage and if so, he shall attach a self addressed post card or acknowledgement card, at which intimation regarding the date of hearing could be sent to him.

11th Chntajapbanasante va ithando ktanjidhchvejans vtakamat pisamak pad tamachambaj wa ijim
nchasapabanjapavad miman

12. List of enclosures:

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

VERIFICATION

I(Name of the applicant) S/o, W/o, D/o, age

working	as	in	the	office	of	,	resident	of
---------	----	---------	-----	--------	----	--------	----------	----

....., do hereby verify that the contents of paras to are true to my personal knowledge and paras..... to believed to be true on legal advice and that I have not suppressed any material fact.

Date :

Place :

Signature of the applicant

22	THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY	[PART II—SEC. 3(i)]
----	--------------------------------------	---------------------

FORM II

[RULE 4 (4)]

IN THE HIMACHAL PRADESH ADMINISTRATIVE TRIBUNAL -----Bench

RECEIPT SLIP

Receipt of the application filed in the Central Administrative Tribunal..... Bench by

Shri/Kum/Smt.....	in	the	Ministry/Department/Office	of
.....	residing	at	is	

hereby acknowledged.

For Registrar Dated : Himachal Pradesh Administrative Tribunal

Seal : Bench

FORM III

[RULE 8(3)]

IN THE HIMACHAL PRADESH ADMINISTRATIVE TRIBUNAL BENCH

Misc. Application No. of

In

Original/Transferred Application No. of

XXX Applicant/Petitioner Versus

YYY..... Respondent/Applicant

Brief facts leading to the application.

Relief or Payer :

Verification :

I(Name of the applicant) S/o, W/o, D/o, age working as in the office of, resident of, do hereby verify that the contents of para to are true on legal advice and that I have not suppressed, any material fact.

Date : Signature of the applicant

Place : Signature of the Advocate /Agent

¹ Part I Section 3(i) ^o	Gazette of India: Extraordinary	23
---	---------------------------------	----

FORM IV

[rule 2 (2)]

APPLICATION FOR THE REGISTRATION OF A CLERK

IN THE HIMACHAL PRADESH ADMINISTRATIVE TRIBUNAL BENCH

1. Name of legal practitioner on whose behalf the clerk is to be registered.

2. Particulars of the clerk to be registered

(i) Full name :

(in capital)

(ii) Father's name :

(iii) Age and date of Birth :

(iv) Place of birth :

(v) Nationality :

चैचवतजैप्रम

Photograph to be pasted here.

(vi) Educational qualification :

(vii) Particulars of previous employment, if any :

I, ,, (Clerk above-named) do hereby affirm that the particulars relating to me given above are true.

Signature of Clerk

3. Whether the legal practitioner has another clerk already registered under him and whether the clerk sought to be registered is in lieu of or in addition to the clerk already registered.

4. Whether the clerk sought to be registered is hereby registered as a clerk of any other legal practitioner and if so, the name of such practitioner.

I, ...(legal practitioner) certify that the particulars given above are true to the best of my information and belief and that I am not aware of any fact which would render unsuitable the registration of the said (name) as a clerk. Further, I enclose, Postal Order for Rs.10/- being Jim Bweje and Pkmadjpajal Bantak Naswadah Upji 2 chenechwatj epram cheewjawahtanchie and Jim nchchachasapbandj consul njajmejmak il uman

Signature of the Legal Practitioner Dated :

To

The Registrar

Himachal Pradesh Administrative Tribunal

.....Bench

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064 and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.